छत्तीसगढ़ में लुटी जलाशय में दरार

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ के **बलरामपुर ज़िले** के धनसपुर गाँव में स्थित **लुटी (सातबहिनी) जलाशय** में दरार आने से **अचानक बाढ़** आ गई, जिसके परिणामस्वरूप अनेक लोग घायल हो गए तथा संपत्ति को व्यापक क्षति पहुँची।

मुख्य बिंदु

- **लुटी जलाशय के बारे में:**
  - **लुटी बाँध**, जिसे लुटी (सतबहिनी) जलाशय के रूप में भी जाना जाता है, भारत के छत्तीसगढ़ के बलरामपुर ज़िले में विश्रामनगर के पास धनेशपुर गाँव में स्थित एक **छोटा बाँध** है।
  - इसका निर्माण 1980 के दशक के प्रारंभ में हुआ था और यह स्थानीय **सिंचाई तथा कृषि** के लिये प्रमुख जल स्रोत के रूप में कार्य करता रहा है।
  - रिपोर्टों में कई वर्षों से बाँध में रिसाव तथा **संरचनात्मक मज़बूती** को लेकर आशंकाएँ व्यक्त की जाती रही थीं, किंतु हाल ही में हुई तीव्र **मानसूनी वर्षा** ने इसकी जर्जर संरचना को प्रभावित कर दिया।

लुटी बाँध के बारे में मुख्य विवरण	
विशेषता	**विवरण**
नाम	लुटी बांध
उद्देश्य	सिंचाई
नदी	उपका नाला
निकटतम नगर	सूरजपुर
ज़िला	सरगुजा
बेसिन	गंगा

आकस्मिक बाढ़ (Flash Flood)

- **परिभाषा:**
  - तीव्र वर्षा के दौरान या उसके तुरंत बाद **जल स्तर में अचानक वृद्धि** को **आकस्मिक बाढ़** (Flash flood) कहते हैं।
  - यह अत्यधिक **स्थानीयकृत** और **अल्पकालिक** घटना होती है, जो सामान्यतः **वर्षा के 6 घंटे** के भीतर घटित होती है।
- **कारण:**
  - फ्लैश फ्लड मुख्यतः **तीव्र वर्षा के कारण** होती है, जो मृदा की अवशोषण क्षमता और जल निकासी प्रणालियों को प्रभावित करती है।
  - भारी वर्षा के अतिरिक्त, **अचानक तापमान वृद्धि, बाँध या तटबंधों के टूटने, हिम या मलबे के जमाव के कारण तथा हिमनद झीलों के अचानक फटने** के कारण तेज़ी से हिम विगलन से भी फ्लैश फ्लड आ सकती है।
  - इसके अतिरिक्त, सड़कों और इमारतों जैसी अभेद्य सतहों वाले **शहरीकरण से अपवाह बढ़ता है, जल अवशोषण कम होता है तथा बाढ़ का खतरा बढ़ता है।**
- **उदाहरण:**
  - **हिमाचल प्रदेश (2023), उत्तराखंड (2013) तथा मुंबई (2005)** में आई आपदाएँ भी भारी वर्षा के कारण हुई थीं, जिनसे जान-माल व्यापक हानि हुई।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/breach-of-luti-reservoir-in-chhattisgarh